अलौकिक समर्पण समारोह • विश्व शांति धाम में हुआ भव्य आयोजन, सभी ने समर्पित होने वाली कन्याओं को दी ढ़ेर सारी शुभकामनायें

नौ पवित्र कन्यायें चलीं अब नौ देवियां बनने की राह पर

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के विश्व शांति धाम सेवाकेन्द्र में आयोजित 9 बहनों के दिव्य अलौकिक समर्पण समारोह में संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने बहनों को उनके दिव्य अलौकिक समर्पण के लिए प्रेरणा देते हुए कहा कि यह ब्रह्माकुमारी जीवन कोई साधारण जीवन नहीं है, यह महान जीवन है। जब हम अपना जीवन परमपिता परमात्मा को अर्पित कर देते हैं और उनकी दी हुई श्रीमत पर चलते हैं तो सभी चिंताओं से मुक्त हो जाते हैं।

पंजाब ज़ोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी ने दिव्य अलौकिक समर्पण की सभी कन्याओं को और उनके माता-पिता को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है कि जब ये नौ कन्यायें अपना तन, मन, धन परमपिता परमात्मा को अर्पित कर जन-जन का कल्याण करने जा रही हैं। यह सभी बहनें ज्ञान गंगाएं हैं।

इस समारोह में मुख्य रूप से शामिल कुरुक्षेत्र विधायक सुभाष सुधा ने ब्रह्माकुमारी बहनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन बहनों का जीवन कोई साधारण जीवन नहीं है। दुनिया में हर कोई किसी बीमारी का इलाज कर सकता है पर सुख-शांति कोई भी नहीं दे सकता है। लेकिन इनके द्वारा मैंने एक नहीं अनेक परिवारों में सुख-शांति आते हुए देखा है। इस मौके पर ब्र.कु. आत्मप्रकाश भाई, ब्र.कु. मोहन सिंघल भाई व ब्र.कु. हंसा बहन ने भी अपनी शुभकामनाएं दी।

संगीत संध्या का हुआ भव्य आयोजन

इस अवसर पर आयोजित गीत-संगीत संध्या में चंडीगढ़ से आये अनिल भाई ने अपने मधुर गीतों के द्वारा इस अलौकिक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई

इसके साथ ही कार्यक्रम में नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसमें इस दिव्य अलौकिक समर्पण समारोह का क्या लक्ष्य है, बताया गया।

ये कन्यायें हुईं आजीवन ईश्वरीय सेवा अर्थ समर्पित

ब्र.कु. राधा बहन, ब्र.कु. सुदर्शन बहन, ब्र.कु. शिवाली बहन, ब्र.कु. लता बहन, ब्र.कु. मधु बहन, ब्र.कु. पुष्पा बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. रेखा बहन व ब्र.कु. विद्या बहन

प्रतिज्ञा के साथ निराकार को पहनाई वरमाला

अपने जीवन को सत्य मार्ग पर आगे बढ़ाने के लिए इन नौ कन्याओं ने सम्पूर्ण पवित्रता की दृढ़ प्रतिज्ञा करते हुए परमपिता परमात्मा शिव निराकार को वरमाला पहनाई। इस अवसर पर कम से कम 2000 भाई-बहनों ने उपस्थित रहकर शुभकानाएं दी।

ब्रह्माकुमारीज़ के मानसरोवर में...

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पाँच दिवसीय विंटर कार्निवाल

छोटी उम्र में ही बच्चों के अंदर संस्कार भरना ज़रूरी

शांतिवन-मानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मानसरोवर परिसर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आयोजित पाँच दिवसीय विंटर कार्निवाल में आये बच्चों को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने कहा कि इस उम्र में ही बच्चों के अंदर संस्कार भरना ज़रूरी होता है। ये बच्चे ही आने वाले नये भारत की तस्वीर पेश करेंगे।

विंटर कार्निवाल में...

पाँच दिनों तक अलग-अलग गतिविधियां करायी गई। जिसमें खेलकूद, सांस्कृतिक प्रतियोगिता, बौद्धिक प्रतियोगिता, वाक प्रतियोगिता, जलेबी रेस, सेक रेस तथा राजयोग ध्यान प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इस कार्निवाल में आये बच्चों को दो समूहों में बांटा गया और अलग-अलग समूह के बच्चों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

आजकल की युवा पीढ़ी कई तरह की चुनौतियों से गुज़र रही है। ऐसे में ज़रूरी हो जाता है कि हम उनकी संभाल करें, उनका ख्याल रखें। इसमें माता-पिता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए इनके बचपन को संवारने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस संस्थान में नन्हें-मुन्हें बच्चों को सर्वांगीण विकास के साथ-साथ राजयोग ध्यान और नैतिक मूल्यों के लिए भी प्रेरित किया जाता है। कार्यक्रम में दिल्ली से आईं मशहूर आर्टिस्ट संगीता राज ने कहा कि जैसे बड़े ध्यान से दिन-रात मेहनत कर एक चित्र तैयार होता है, उसी तरह से इन बच्चों पर दिन-रात मेहनत करने की ज़रूरत है ताकि वे एक श्रेष्ठ और सुंदर इंसान बन सकें। उनके अंदर मूल्यों को भी ऐसे ही गढ़ना चाहिए जैसे कि हम कला के माध्यम से रंग भरते हैं।

संस्थान के महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. डॉ. सविता बहन ने कहा कि बच्चे दिल के सच्चे होते हैं। उनके दिल पर इस समय जो लिख दिया जाता है, वो अमिट हो जाता है, वो ही उनके जीवन का हिस्सा हो जाता है। शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. शिविका तथा ब्र.कु. नेहा ने कहा कि हम भी जब बच्चे थे तब इस तरह के कार्यक्रमों में आते थे। इससे ही हमारे श्रेष्ठ जीवन की नींव पड़ी। आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। इन पर बहुत ध्यान देने की ज़रूरत है। इस मौके पर अजमेर से ब्र.कु. योगिनी बहन, जयपुर से ब्र.कु. एकता बहन व ब्र.कु. राजीव सहित कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

डॉ. ब्र.कु. गंगाधर व डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके 'एशिया पैसिफिक आइकॉनिक अवॉर्ड' से सम्मानित

थाईलैंड-बैंकॉक। एशिया पैसिफिक एजुकेशन सम्मिट और अवॉर्ड के आयोजन के दौरान एजुकेशन से सम्बंधित एशिया भर से आये कई शिक्षाविदों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही साथ एशिया के देशों के मध्य अपने-अपने क्षेत्र में विशेष मानव उत्थान के लिए कार्य करने वाले 50 विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय मा.आबू से प्रकाशित होने वाले ओमशान्ति मीडिया पत्रिका के संपादक राजयोगी डॉ. ब्र.कु.गंगाधर को 'वैल्यू बेस्ड जर्नलिज्म' के लिए 'एशिया पैसिफिक आइकॉनिक अवॉर्ड एवं 175 विश्वविक्रम करने वाले पहले भारतीय डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके को भारत के प्राचीन राजयोग का प्रसार व प्रचार करने के लिए 'एशिया पैसिफिक आइकॉनिक अवार्ड' से सम्मानित किया गया। जिसे सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल द्वारा प्रदान किया गया।

नैतिक मूल्यों की धारणा हमारे विचारों को श्रेष्ठ बनाती है

क्रिसमस के उपलक्ष्य में आयोजित 'सर्वधर्म प्रार्थना सभा' में ब्र.कु. प्रहलाद ने बताया सबके प्रति सद्भाव रखने का तरीका

ग्वालियर-लश्कर(म.प्र.)। क्रिसमस के पूर्व फालका बाज़ार सेंट जॉन कैथेड्रल चर्च में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में सभी धर्म-प्रतिनिधियों सहित आमंत्रित किये जाने पर ब्रह्माकुमारीज़ से राजयोगी ब्र.कु. प्रहलाद भाई ने कहा कि आज समाज में एक-दूसरे से छोटी-छोटी बातें मनभेद और मतभेद का रूप ले लेती हैं क्योंकि समाज में नैतिक मूल्यों की कमी हो गयी है। जीवन में नैतिक मूल्यों की धारणा हमारे व्यवहार और हमारे विचार को श्रेष्ठ बना देती है। मूल्यों से सम्पन्न व्यक्ति का व्यक्तित्व ही अलग होता है। इसलिए धार्मिक संगठन ऐसे जागरुकता कार्यक्रम समाज के लिए करते हैं जिससे समाज को परिवर्तन कर सकें और एक अच्छा पैगाम दे सकें तथा एक-दूसरे के प्रति सहयोग का भाव, शुभ भाव और प्रेम का भाव जगा सकें। संत श्री कृपालसिंह जी महाराज ने मनुष्य के अन्दर प्रेम की उत्पत्ति का संदेश दिया। शहर क़ाज़ी अब्दुल अजीज कादरी ने सभी धर्मों को एक समान बताया। फूलबाग गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से बलवंत सिंह ने कहा कि गुरुवाणी में भी अमन और शांति के लिए एकता का बहुत महत्व है। पास्टर अभिषेक जॉन ने कहा कि हमें सफाई अभियान की तरह अपने अन्दर की सफाई भी करना बहुत ज़रूरी है। सहायक पल्ली पुरोहित फादर जोसफ ने प्रार्थना की कि ग्वालियर महानगर में शांति, प्रेम और भाईचारा स्थापित रहे। फादर पवन डेविड ने आभार व्यक्त किया। शांति, सद्भावना प्रार्थना सभा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। संचालन एडवोकेट राजेश फ्रांसिस ने किया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Jan, 2023
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा डी.बी. कॉर्प.लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org